# हाथीपर सवार होकर निकले श्रीराम-लक्ष्मण, बरसे पुष्प

## पूरी भव्यता एवं सज-धजके साथ निकला सिविल लाइंसका रामदल

नवरात्र की महाषष्ठी पर शुक्रवार रात सिविल लाइंस का रामदल पूरी भव्यता एवं सजधज के साथ निकला। हाथी पर सवार भगवान श्रीराम-लक्ष्मण एवं सीता को देखने के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। भक्तों ने भगवान पर पुष्पवर्षा की। हाथी पर सवार भगवान ने भी भक्तों को पुष्प भेंट किये। भगवान के साथ निकली नयनाभिराम झांकियों को देख भक्त मंत्रमुग्ध हो गये। देर रात तक सिविल लाइंस की सड़कों पर भारी भीड़ मौजूद रही। रामदल हाईकोर्ट से पत्थर गिरिजाघर, सुभाष चौराहे से हाट स्टफ चौराहा होते हुए सिविल लाइंस हनुमान मंदिर पर सम्पन्न हुआ। न्याय मार्ग क्षेत्र सिविल लाइंस एवं सिविल लाइंस उद्योग व्यापार मंडल की ओर से प्रभु रामचंद्र जी के स्वागत की भव्य तैयारी की गयी। क्लाइव रोड से लेकर हाईकोर्ट तक पूरा क्षेत्र रोशनी से जगमग रहा।

भगवान के साथ करीब बीस झांकियां श्रीराधा-कृष्ण सहित अन्य देवी देवताओं के कलात्मक प्रदर्शन के साथ निकाली गयी। रामदल की अगुवाई श्री गणेश एवं हनुमान जी ने किया। इससे पूर्व हाइकोर्ट के समीप न्यायविद हनुमान मंदिर से से उठने वाले राम दल की १०८ दीपों से शंखनाद एवं विशाल ध्वज के साथ दिव्य आरती हुई। तुलसियानी प्लाजा के सामने भव्य मंच पर दिल्ली से आमंत्रित कलाकार कीर्ति उपाध्याय एवं सुविख्यात संगम नगरी राकबैंड के साथ अद्भुत भजन क्लबिंग का कार्यक्रम हुआ। गायिका एवं अध्यक्ष महिला व्यापार मंडल स्वाती निरखी के नेतृत्व में यह सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ जिसे सभी ने खूब सराहा। सिविल लाइंस उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज जायसवाल ने मंच आसीन सभी नागरिकों का स्वागत किया। क्षेत्रीय पार्षद पंकज जयसवाल ने अपने अथक प्रयासों से पूरे क्षेत्र को इतनी भव्यता प्रदान की। इस मौके पर विधायक हर्ष बाजपेयी, महापौर, अनिल गुप्ता, पवन श्रीवास्तव निधि श्रीवास्तव कौशल्यानंद गिरी, शैलेन्द्र मधुर, आभा मधुर आदि लोग मौजूद रहे।



सिविल लाइंस रामदलमें भगवान राम-लक्ष्मण की सवारी एवं विद्युत झालरोकी सजावटका आनंद लेते लोग।

### सलोरी हत्याकांडके आरोपितों की पेशी

(विधि संवाददाता)

सलोरी में गुरुवार को हुए चर्चित हत्याकांड में आरोपित देवेंद्र नाथ मिश्रा उर्फ झून्ने एवं त्रपेंद्र नाथ मिश्र को देर शाम पुलिस ने अदालत के समक्ष पेश किया। प्रभारी सीजीएम योगेश जैन ने उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेजने का आदेश दिया।मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर को जमीन के विवाद को लेकर सतीश चंद्र श्रीवास्तव की हत्या कर दी गई थी।

### विदुप अग्रहरिने भाजपा से नाता तोड़ा, सपा की ली सदस्यता

व्यवसायी विदुप अग्रहरि ने शुक्रवार को भाजपा से नाता तोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

पूर्व सांसद श्यामा चरण गुप्त के पुत्र विदुप का कहना है कि यह उनकी घर वापसी है।

भाजपा नेता विदुप अग्रहरि ने आज लखनऊ में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के समक्ष समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मोबाइल पर बातचीत में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी से देश का व्यापारी और किसान निराश है। इसी कारण उन्होंने आज भाजपा से इस्तीफा देकर सपा का सदस्यता ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि यह मेरी घर वापसी है।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि सपा में वह टिकट के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का साथ देने आये आये हैं। पार्टी का सिपाही बनकर काम करूंगा।

# अधिवक्ता सतीश चंद्र हत्याकांड : पिता-पुत्र भेजे गये जेल

### बड़े बेटे एवं पत्नीकी तलाशमें दबिश, सीसीटीवी फुटेजसे कई हमलावर चिन्हित, बाउण्डरी फांदकर पहुंचे थे आरोपित

कर्नलगंज थाना क्षेत्र के सलोरी में जमीन के विवाद में गुरुवार को अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव की हत्या के मामले में कर्नलगंज पुलिस ने पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपित देवेंद्र नाथ मिश्रा और उसके पुत्र नृपेंद्र नाथ मिश्रा से घंटों पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया। वहीं, सूत्रों की माने तो वारदात में शामिल और कई हमलावरों को चिह्नित किया गया है। नामजद आरोपित के बडे बेटे और पत्नी की तलाश में दबिश दी जा रही है।काटजू बाग कालोनी निवासी सतीश चंद्र श्रीवास्तव अधिवक्ता होने के साथ ही ईश्वर शरण डिग्री कालेज में संविदा पर लैब अटेंडेंट भी थे। एक जमीन को लेकर उनका विवाद घर के सामने रहने वाले अपर शासकीय अधिवक्ता देवेंद्र नाथ मिश्रा से चल रहा था। गुरुवार को देवेंद्र नाथ मिश्र कई लोगों के साथ विवादित जमीन पर पहुंचे और वहां दरवाजे पर सतीश चंद्र श्रीवास्तव द्वारा लगाए गए ताले को तोड़ दिया था। उसी समय सतीश चंद्र श्रीवास्तव और उनके घरवाले पहुंचे तो मारपीट हो गई थी। इसी बीच देवेंद्र नाथ मिश्रा ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मारकर सतीश चंद्र श्रीवास्तव की हत्या कर दी थी। मारपीट में देवेंद्र नाथ के सिर में चोट आई थी। मृतक की पत्नी वर्षा श्रीवास्तव ने देवेंद्र नाथ मिश्रा उर्फ झून्ने, उसके पुत्र नृपेंद्र नाथ मिश्रा उर्फ बच्चू, अमरेंद्र नाथ मिश्रा उर्फ अनुपम, पत्नी शैल मिश्रा को नामजद करते हुए दस अज्ञात के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। शुक्रवार सुबह पुलिस ने देवेंद्र नाथ मिश्रा और नृपेंद्र नाथ मिश्रा को बेली अस्पताल के मुख्य गेट से गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लाइसेंसी रिवाल्वर, पांच जिंदा व एक खोखा कारतूस बरामद किया गया। इंस्पेक्टर ज्ञानेश्वर मिश्र ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि सतीश चंद्र श्रीवास्तव से काफी समय से नजूल की जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था। गुरुवार को जमीन पर कब्जा करने की नीयत से वह कई लोगों के साथ वहां पहुंचा और उसी समय सतीश चंद्र अपने परिजन के साथ आ गए। मारपीट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी। मामले में फरार आरोपित देवेंद्र नाथ मिश्रा के पुत्र अमरेंद्र नाथ व पत्नी शैल की तलाश में दबिश दी जा रही है। डीसीपी नगर सागर जैन ने बताया कि दो आरोपित देवेन्द्र नाथ और उसके बेटे नृपेन्द्रनाथ मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। लाइसेंसी रिवाल्वर एवं कारतूस बरामद किया गया है। दो अन्य नामजद आरोपितों की तलाश की जा रही है।



### चार घंटे तक शव रोककर काररवाई की मांग, प्रदर्शन

शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर सलोरी स्थित घर पहुंचे, लेकिन मुआवजे और आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। सतीश की पत्नी वर्षा श्रीवास्तव और परिवार के अन्य सदस्य अपनी मांगों पर अड़े रहे। करीब चार घंटे तक चले हंगामे के दौरान परिजनों ने एक ५० लाख रुपये मुआवजा, दोनों बेटियों को सरकारी नौकरी, परिवार को आजीवन सुरक्षा देने और आरोपित का घर गिराने की मांग की। सूचना पर परिजनों को समझाने और अंतिम संस्कार कराने के लिए एसीपी कर्नलगंज विवेक यादव, एसीपी झूंसी अरुण पाराशर, एसडीएम अंकित वर्मा समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। काफी देर तक चली बातचीत के बाद आश्वासन पर परिजन माने। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए और देर शाम रसूलाबाद घाट पर बेटी ने पिता के शव का अंतिम संस्कार किया।

महानगर की खबरें पृष्ठ १२पर देखें।

### एक्सरे में सीनेके बगल फंसी मिली गोली

अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव के शव का पहले एक्सरे कराया गया, ताकि यह पता चल सके कि गोली कहां फंसी है।

एंबुलेंस से शव को मोतीलाल नेहरू चिकित्सालय (काल्विन) ले जाया गया। सूत्रों के मुताबिक इसमें गोली सीने के पास फंसी मिली। काल्विन से एक्सरे रिपोर्ट मिलने के बाद शव को पुनः पोस्टमार्टम हाउस लाया गया। यहां वीडियोग्राफी के बीच डाक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम शुरू किया। इसके बाद घरवाले एंबुलेंस से शव लेकर सलोरी स्थित काटजू बाग कालोनी पहुंचे। शाम को मृतक के शव को अंतिम संस्कार कर दिया गया।

### हत्यासे पहले मारपीटका वीडियो वायरल

सतीश की हत्या से पहले का करीब डेढ़ मिनट का वीडियो भी सामने आया है। इसमें दोनों पक्षों के बीच मारपीट होती दिख रही है। वीडियो में सतीश की पत्नी वर्षा श्रीवास्तव, दूसरे पक्ष के देवेंद्रनाथ मिश्रा और कुछ अन्य लोग नजर आ रहे हैं।

मौके पर कुछ पुलिसकर्मी भी दिखाई दे रहे हैं। सतीश की पत्नी पहले ही आरोप लगा चुकी हैं कि उनके पति को पुलिस की मौजूदगी में गोली मारी गई थी। ऐसे में वीडियो सामने आने के बाद घटनाक्रम के दौरान पुलिस की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

# ढोकरी गांवमें तेंदुएकी दहशत, वन विभागकी टीम तैनात

### ग्रामीणोंको सतर्क रहने और समूहमें बाहर निकलनेकी सलाह

जिले में आतंक का पर्याय बन चुका शातिर तेदुआ को ढूढ़ने के लिए वन विभाग की टीमें खाक छान रही है। स्थानीय क्षेत्र की मिट्टी से तेंदुए के पंजों के निशान ढूढ़ रही है। वही ग्रामीण सीसीटीवी की फुटेज लेकर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर सुरक्षित माहौल की गुहार लगा रहे है। गंगापार के सैदाबाद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ढोकरी गांव में तेंदुए की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम लगातार गश्त और सुरक्षा कार्यो में जुटी होने का दावा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वन विभाग की कई टीमें ढोकरी और आसपास के क्षेत्रों में तैनात हैं। टीम के सदस्य ग्रामीणों के बीच जाकर लगातार जागरूकता फैला रहे हैं और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। हण्डिया क्षेत्र के रेंजर इमरान खान का कहना है कि बच्चों और बुजुर्गो का विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी गयी है। रात के समय अनावश्यक बाहर निकलने से बचना होगा। अगर जरूरी हो तो समूह में लाठियों के साथ ही निकले।



### पिंजरा लगानेका प्रयास जारी

वन विभाग द्वारा तेंदुए को पकड़ने के लिए क्षेत्र में पिंजरा लगाया गया था, जो तकनीकी कारणों से कुछ समय के लिए अन्य स्थान (झूंसी) पर चला गया था। यहां पर पहले ही तेंदुए की लोकेशन मिली थी। फिर धीरे-धीरे तेंदुआ जगह बदलकर आगे बढ़ता गया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही ढोकरी में दोबारा पिंजरा स्थापित कर दिया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में रात के वक्त कुत्तों के भौंकने की आवाजें आ रही हैं, जिससे तेंदुए की मौजूदगी का अंदेशा है। हालांकि, कुछ मामलों में स्पष्ट फुटेज न मिलने के कारण दिक्कतें आ रही हैं, फिर भी वन विभाग के अधिकारी स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए हैं और ग्रामीणों से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत सूचना दें।

### कुम्भकी तैयारी एवं फ्लाइट बढ़ानेका होगा प्रयास-निदेशक

प्रयागराज एयरपोर्ट के नवनियुक्त पूर्णकालिक विमानपत्तन निदेशक नवनीत कुमार गुप्ता ने कार्यभार सम्भालने के बाद शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान आगामी कुम्भ मेले की तैयारियों और विमान सेवाओं (फ्लाइट्स) में बढ़ोतरी को अपनी मुख्य प्राथमिकता बताया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरणके अधिकारी नवनीत कुमार गुप्ता ने कहा कि कुम्भ मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुगम यात्रा के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर करना और उड़ानों की संख्या बढ़ाना उनका मुख्य प्रयास रहेगा। कुम्भ की तैयारियों को प्राथमिकता पर रखते हुए सरकार और मंत्रालय से वार्ता करके फ्लाइट की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जायेगा।

# चेक बाउंसके दो मामलोंमें दोषी को दो सालकी कैद, १४.८४ लाखका अर्थदंड

(विधि संवाददाता)

चेक बाउंस के दो मामलों में विशेष अदालत ने धर्मराज सिंह को दोषी करार देते हुए दो-दो साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों मामलों में कुल १४,८४,७७४ रुपये का अर्थदंड लगाया है। यह फैसला अतिरिक्त न्यायालय (एनआई एक्ट) के पीठासीन अधिकारी डॉ. बालमुकुंद ने सुनाया।

पहला मामला आरके डिस्ट्रीब्यूटर्स के पार्टनर राहुल गुप्ता की ओर से धर्मराज सिंह और देवराज सिंह के खिलाफ दाखिल परिवाद से जुड़ा है। परिवादी के अनुसार ट्रैक्टर कारोबार के सिलसिले में ३,७९,०८५ रुपये बकाया थे। भुगतान के लिए पांच अक्तूबर २००७ को भारतीय स्टेट बैंक की मेजा शाखा का चेक दिया गया था। बैंक में भुगतान के लिए प्रस्तुत करने पर १६ नवंबर २००७ को चेक बाउंस हो गया।परिवादी के अधिवक्ता संदीप मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए दलील दी कि चेक पर विपक्षियों के हस्ताक्षर हैं और भुगतान के लिए प्रस्तुत करने पर चेक बाउंस हो गया। ऐसे में विपक्षी परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) के तहत दोषी हैं।अदालत ने पहले मामले में ७,५८,१७० रुपये का अर्थदंड लगाया, जो चेक की धनराशि का दोगुना है। वहीं, दूसरे चेक बाउंस मामले में भी धर्मराज सिंह को दो साल के साधारण कारावास और ७,२६,६०४ रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। अदालत ने अर्थदंड की राशि प्रतिकर के रूप में अदा करने का आदेश दिया है। अर्थदंड जमा करने पर दोषी को अभिरक्षा से मुक्त कर दिया जाएगा, जबकि भुगतान नही करने पर तीन महीने का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

### उमेश पाल हत्याकांड : शूटर अरमानको मिला सरकारी अधिवक्ता

(विधि संवाददाता)

उमेश पाल हत्याकांड मे आरोपित मोहम्मद अरमान उर्फ अरमान बिहारी के मुकदमे में अब सरकारी अधिवक्ता चीफ डिफेंस काउंसिल विकास गुप्ता उसकी पैरवी करेंगे। निजी वकील नही होने पर अरमान ने अदालत से नि:शुल्क कानूनी सहायता मांगी थी। इसके बाद विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी कुमार मयंक ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पत्र लिखकर सरकारी अधिवक्ता उपलब्ध कराने की पहल की थी। अरमान को तीन साल से अधिक समय तक तलाशने के बाद पुलिस ने उसके बिहार की गया केंद्रीय जेल में बंद होने का पता लगाया था। पांच लाख रुपये का इनामी रहा अरमान पांच अक्टूबर को जिला न्यायालय में पेश किया गया था। वह उमेश पाल और उनके दो सरकारी सुरक्षाकर्मियों की २४ फरवरी २०२३ को हुई हत्या के मामले में आरोपित बनाया गया है। हत्या के मुकदमे के अलावा अरमान को गैंगस्टर एक्ट के मामले में भी उसे २२ अक्टूबर को पेश होना है। इस मुकदमे में गुड्डू मुस्लिम और साबिर भी आरोपित हैं।

### अरमानने अदालतमें पेशी पर अधिवक्ता न होनेकी लगाई थी गुहार

# श्रीरामको मनाने चित्रकूट पहुंचे भरत, पादुका लेकर लौटे अयोध्या

श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी की ओर से 'कथा रामराज की' के तहत शुक्रवार रात हुए रामलीला के मंचन में चित्रकूट में श्री राम को मनाने परिवार संग पहुंचे भरत का मार्मिम मंचन किया गया। जिसे देख दर्शक भाव विभोर हो गये। भरत राम को पुनः लक्ष्मण के साथ राम दण्डकारण्य पहुंचकर वहां पंचवटी में आश्रम बना कर रहने लगे। कुछ दिन बाद वहां से रावण की बहन सूर्पणखा गुजरी और राम के अप्रतिम सौंदर्य पर मुग्ध हो कर उसने राम से विवाह का प्रस्ताव रख दिया। राम ने सीता की ओर देख

### श्री पथरचट्टीकी 'कथा रामराजकी' में क्रोधित सूर्पणखाकी दुष्टतापर नाक-काटनेका मंचन

अयोध्या का राजकज संभालने के लिए राज परिवार, तीनों माताओं, और गुरु वशिष्ठ तथा राज्य के वरिष्ठ विशिष्ट लोगों के साथ चित्रकूट पहुंचते हैं। वहां अननय-विनय के बाद बाद भी राम अयोध्या लौटने को राजी नहीं होते। तब भरत राम की पादुका लेकर अयोध्या लौटते है। साथ ही घोषणा करते हैं कि अयोध्या की राजगद्दी पर राम की पादुका को आसीन करा कर अयोध्या का शासन चलाऊंगा। दूसरे प्रसंग में वन-वन विचरण करते, अनेक ऋषियों, मुनियों से मिलते सीता एवं कर अपने विवाहित होने का संकेत देकर उसे लक्ष्मण के पास भेज दिया। लक्ष्मण ने अपने को दास बता कर उसे फिर राम की ओर भेजा। जिससे क्रोधित सूर्पणखा ने जब दुष्टता की तो राम के इशारे पर लक्ष्मण ने उसकी नाक और कान काट दिये। रावण ने क्रोधित होकर अपने भाई खर और दूषण को सेना के साथ पंचवटी भेजा। राम ने सारी सेना सहित खर और दूषण को मार गिराया। सूर्पणखा हताशा और आश चर्य में डूब जाती है, जिसके बाद आज का मंचन सम्पन्न होता है।



पजावा एवं पथरचट्टी रामलीला कमेटी की ओर से निकली भोर की श्रृगांर की चौकी।

# मंथराने कैकेयीके भरे कान, वनमें राम भरतको राज, दो वर मांगो नृपसे आज

### अल्लापुरकी रामलीलामें राम वनगमनकी मनोहारी प्रस्तुति

श्री बाघम्बरी क्षेत्र अल्लापुर रामलीला कमेटी की ओर से शुक्रवार को हुई रामलीला की शुरुआत बाघंबरी गद्दी मठ के प्रभारी-कोठारी स्वामी हरिओम गिरी महाराज ने भगवान श्री गणेश के पूजन से की। रामलीला के प्रसंग में श्रीराम राज्याभिषेक की जानकारी पाते ही मंथरा दासी महारानी कैकेई के पास जाती है और समझाती है कि राम के राजा बन जाने से आपकी स्थिति महारानी कौशल्या के दासी की हो जाएगी। कैकेयी की आशंका पर मंथरा उन्हें राजा दशरथ द्वारा दिए गए वचन को स्मरण कराती है और कहती है कि 'वन में राम भरत को राज, दो वर मांगो नृप से आज' तब महारानी कैकयी कोप भवन में चली जाती हैं महाराज को जानकारी मिलने पर वह मनाने जाते हैं तब अवसर पाकर और महाराज को रघुकुल की रीति दिए वचन की महत्ता बताते हुए उनसे कैकेयी अपनी मांग मनवा लेती हैं। पिता की कैकेयी को दिए गए वचन की जानकारी पर राम वन गमन की तैयारी करते हैं तब उनके साथ सीता जी और लक्ष्मण भी वन को प्रस्थान करते हैं। वन गमन मार्ग में शृंगवेरपुर घाट पर गंगा उस पार जाने के लिए श्रीराम की मुलाकात निषादराज गुह्य से होती है तब निषादराज को डर होता है कि कहीं राम क चरण रज से उनकी नाव भी अहिल्या की भांति नारी न बन जाए इसलिए पहले कठौते में पांव धुलते हैं तब नाव पर चढ़ने की अनुमति देते हैं। इस मौके पर अरविंद मोहन जायसवाल, काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, चंदन भट्ट, मनोज मिश्रा, अनिल मालवीय, अशोक दुबे, आचार्य राजेश त्रिपाठी, वीरेंद्र तिवारी, सतीश गुप्ता, भानु पटेल, आदित्य प्रकाश बाजपेयी, आचार्य विभूति नारायण, शिवम पांडेय, अमित त्रिपाठी, राजू केसरवानी सहित बड़ी संख्या में जन मानस और राम जी के रूप में शिवा कुमार, लक्ष्मण के रूप में दीपेंद्र सिंह, सीताजी के रूप में सृष्टि जाना रहीं। राजा दशरथ के रूप में धनंजय तिवारी, निषादराज के रूप में धीरज अग्रवाल, वेश सज्जा नीरज अग्रवाल तथा रामलीला का निर्देशन प्रिया मिश्रा ने किया।

### बच्चोंने अभिनयकी बारीकियोंके साथ सीखा व्यक्तित्व निखारनेका गुर

बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल विकसित करने के उद्देश्य से सृजन कला समिति, प्रयागराज एवं रूट्स एंड रिदम, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी बाल नाटक 'कछुआ इन द सिटी' की डेमो प्ले प्रस्तुति का आयोजन रूट्स एंड रिदम, मिंटो रोड पर किया गया। इस कार्यक्रम में कुल २५ बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।थिएटर प्रशिक्षक एवं निर्देशक राहुल चावला के मार्गदर्शन में बच्चों ने थिएटर गेम्स, शारीरिक गतिविधियों, संवादों, भाव-भंगिमाओं और अभिनय के विभिन्न अभ्यासों के माध्यम से नाटक तैयार किया। इस प्रक्रिया में बच्चों ने न केवल अभिनय की बारीकियां सीखीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने के कई महत्वपूर्ण गुर भी आत्मसात किये।

# सिविल लाइंसकी रामलीलामें सीता हरणके मंचनसे दर्शक भावुक

श्रीश्री बाल रामलीला समिति सिविल लाइंस की ओर से शुक्रवार को आयोजित रामलीला में सीता हरण का मंचन किया गया। जिसने देख दर्शक भावुक हो गये। रामलीला में खर-दूषण वध के बाद सीता हरण बनाता है और मारीच की सहायता लेता है। मारीच स्वर्ण मृग का रूप धारण कर पंचवटी पहुंचता है। मृग को देखकर माता सीता श्रीराम से उसे लाने का आग्रह करती हैं। श्रीराम के पीछे जाने और लक्ष्मण के कुटिया से बाहर निकलने पर रावण साधु का वेश धारण कर माता सीता का हरण कर लेता है। सीता हरण के दौरान पक्षीराज जटायु रावण को रोकने के लिए उससे युद्ध करते हैं। वृद्ध होने के बावजूद जटायु साहसपूर्वक मुकाबला करते हैं, लेकिन रावण उनके पंख काट देता है। जटायु के बलिदान के मार्मिक दृश्य ने दर्शकों को भावुक कर दिया। रामलीला शुरू होने से पूर्व राम-लक्ष्मण माता सीता की आरती की गयी।

### खरदूषण वध, सीता हरण एवं जटायु मरणका भावपूर्ण मंचन

और जटायु मरण के प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों के सजीव अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंचन में दिखाया गया कि खर-दूषण के वध की सूचना लेकर शूर्पणखा लंका पहुंचती है। यह सुनकर रावण को आभास होने लगता है कि श्रीराम कोई साधारण मनुष्य नहीं, बल्कि भगवान नारायण के अवतार हैं। इसके बावजूद अहंकार में डूबा रावण माता सीता के हरण की योजना

# आकाशमें महाबलीकी छलांग देखकर दर्शक रोमांचित, बजी तालियां

### 'गाथा राम की' में समुद्र लांघनसे अशोक वाटिका तक भक्ति एवं पराक्रमका अदभुत संगम

श्री कटरा रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित भव्य रामलीला प्रस्तुति 'गाथा राम की' के सातवें दिन समुद्र लांघन से अशोक वाटिका' ने दर्शकों को भक्ति, साहस, भावनात्मक गहराई और अद्भुत मंचीय वैभव से रोमांचित कर दिया। सम्पाति द्वारा माता सीता का पता बताए जाने से लेकर सुरसा की परीक्षा, हनुमान जी की महाछलांग, स्वर्णमयी लंका में प्रवेश और अशोक वाटिका में सीता-हनुमान संवाद तक, प्रत्येक प्रसंग ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी।

मंचन प्रारम्भ होते ही सबसे रोमांचक क्षण वह रहा, जब जामवंत द्वारा हनुमान जी को उनकी भूली हुई शक्ति का स्मरण कराया गया। देखते ही देखते हनुमान जी का स्वरूप विराट होने लगा और फिर समुद्र पार करने के लिए उनकी महाछलांग का दृश्य साकार हुआ। हनुमान जी को विशाल स्वरूप में परिवर्तित होकर आकाश में ऊँचाई तक उड़ते देख दर्शक रोमांचित हो उठे और पूरा परिसर जोरदार तालियों तथा 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूँज उठा।

दृश्य की भव्यता, प्रकाश-संयोजन, ध्वनि-प्रभाव, विशालकाय दृश्य-रचना और कलाकार के प्रभावशाली अभिनय ने इस क्षण को प्रस्तुति का विशेष आकर्षण बना दिया।

सम्पाति के प्रसंग ने निराश वानर सेना में आशा का संचार किया।

सुरसा की परीक्षा ने बल के साथ बुद्धि और विनम्रता का महत्व उजागर किया। समुद्र लांघन के बाद स्वर्णमयी लंका का भव्य दृश्य, लंकिनी से सामना और विभीषण से हनुमान जी की भेंट ने कथा को निरंतर रोमांचक बनाए रखा।

वहीं, अशोक वाटिका में रावण के प्रलोभनों के सामने माता सीता की अडिग निष्ठा और त्रिजटा के स्वप्न ने धर्म तथा अधर्म के संघर्ष को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। मंचन से पूर्व मुख्य अतिथि के रूप मे राधा कांत ओझा राज्यसभा सदस्य, अनूप गुप्ता विधान परिषद सदस्य, अवधेश चंद गुप्ता उपाध्यक्ष काशी प्रांत भाजापा एवं अध्यक्ष सुधीर गुप्ता कक्कू, महामंत्री उमेश केसरवानी, कोषाध्यक्ष अश्वनी केसरवानी, उपाध्यक्ष विनोद केसरवानी, आनन्द अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, मंत्री शिव बाबू गुप्ता, महेश चन्द्र गुप्ता, विपुल मित्तल, कार्यकारणी सदस्य दिलीप चौरसिया, मीडिया प्रभारी डा. पवन प्रजापति, आलोक गुप्ता ने रामयण जी की आरती की।

# पजावामें सजा रावण दरबार लक्ष्मण रेखासे निकली आग

श्री महंत बाबा हाथी राम पजावा रामलीला कमेटी की ओर से निर्देशक सचिन कुमार गुप्ता के निर्देशन में हो रही रामलीला में शुक्रवार रात रावण का दरबार सजाया गया। अभिनंदन गीत गाये गये। इस दौरान कथक नृत्य ने लोगों को मोहित कर दिया। मारीच द्वारा कपट जाल कर सीता हरण की मनमोहक प्रस्तुति प्रस्तुत की गयी। सीता हरण में लक्ष्मण रेखा में वास्तविक अग्नि का प्रयोग करके बहुत ही अद्भुत तरीके से प्रस्तुत किया गया। जिसे देखकर मैदान में बैठी सारी जनता रोमांचित हो उठी। आकाश मार्ग में रावण एवं जटायु का युद्ध भी बहुत ही आकर्षक रहा। बीस फीट बड़े विमान का आकाश मार्ग से आना के मंचन से पूर्व प्रभु श्री राम, लक्ष्मण एवं माता जानकी की आरती की गयी। उसके बाद आयोजित प्रतियोगिता जिसमें यूनाइटेड इंस्टिट्यूट की प्रो. शिवानी गुप्ता ने बच्चों से श्री राम पर आधारित प्रश्न पूछे। सही जबाव देने वाले दस बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। इस मौके पर कमेटी के संयोजक मोहन जी टंडन, अमिताभ टंडन, राजेश मल्होत्रा, रवि ओझा, रोहन पांडे, उज्जवल पांडे आदि मौजूद रहे।

सारी जनता को बहुत ही रोमांचकारी लगा। इसके बाद सीता की खोज में प्रभु राम लक्ष्मण द्वारा कबंध वध बहुत ही अद्भुत तरीके से प्रस्तुत किया गया गया। साथ ही शबरी मिलन की बहुत ही मोहक प्रस्तुति दी गयी। रामलीला

### सीता हरण, आकाशमें रावण-जटायुका युद्धका प्रभावशाली मंचन